# अनोखा कारखाना

जयप्रकाश भारती

# अनोखा कारखाना

## जयप्रकाश भारती

## अचरज लोक में चलें

कोई कारखाना या कोई फैक्टरी आपने देखी होगी। लेकिन दुनिया के सबसे अनोखे कारखाने के बारे में शायद पता न हो। आप उस कारखाने के मालिक हैं, ऐं, क्या कहा? हां, वह कारखाना है आपका शरीर।

कैसा अद्‌भुत, कैसा विचित्र है यह कारखाना। इसके बारे में जानना बहुत दिलचस्प है, उपयोगी भी है।

तो आइए, आगे के पृष्ठों में हम नए अचरज-लोक में चलें। देखें, कैसे-कैसे काम करता है यह कारखाना। बिना अखबार, हर क्षण ताजे समाचार कैसे मिलते हैं? कण से भी छोटी कोशिकाएं क्या हैं? उनमें कैसी हलचल मची रहती है। यह पुस्तक हर बालक, किशोर एवं प्रौढ़ को अवश्य पढ़नी चाहिए।

**-जयप्रकाश भारती**

# अनोखा कारखाना

हम विज्ञान के युग में रह रहे हैं। विज्ञान ने बड़े-बड़े करिश्मे कर दिखाए हैं। पुरानी परी-कथाओं में जो पढ़ा करते थे, वह अब अपनी आंखों से देख सकते हैं।

हजारों मील की दूरी पर कोई नाचता है, या गाना गाता है। घर बैठे हम उस नाच को देखते हैं। गाना सुन सकते हैं।

हजारों मील की यात्रा कुछ घंटों में कर सकते हैं। इतना ही क्यों, बादलों के पार-दूर, बहुत दूर आदमी चाँद तक की सैर करने लगा है। चाँद की धूल और चट्टानों के टुकड़े आदमी उठा लाया है।

समुद्र की गहराइयों में वह निडर होकर खोज करने लगा है।

मशीनें हर काम में आदमी की सहायता करती हैं। कठिन से कठिन काम मशीनों से आसानी से हो जाता है। मशीनों के बिना आज की दुनिया चल ही नहीं सकती।

लेकिन दुनिया में कोई भी मशीन अपना निर्माण आप नहीं कर सकती। न ही कोई मशीन अपनी मरम्मत आप कर सकती है।

कोई भी मशीन अपने जैसी दूसरी मशीनें नहीं बना सकती।

लेकिन केवल एक मशीन ऐसी है जो यह सब कुछ कर सकती है। वह अपना निर्माण खुद करती है। यदि उस में कुछ गड़बड़ हो जाए तो वह उसे ठीक कर लेती है।

अपने जैसी दूसरी मशीनें बना सकती है। मानव ने आज तक जितनी मशीनें बनाई हैं, यह उन सबसे अधिक पेचीदा है।

यह आश्चर्यजनक मशीन कौन-सी है? यह मशीन मानव का शरीर है।

क्या दुनिया की इस सबसे अनोखी मशीन के बारे में जानते हो? यह एक ऐसी मशीन है जिसमें अनेक छोटी-बड़ी मशीनें जुड़ी हैं। ये सब एकजुट होकर काम करती हैं। इस तरह तो इसे एक कारखाना कहना ठीक होगा। और यह आपका अपना कारखाना है।

शायद यह पूछना ठीक रहे-

क्या तुम अपने आपको जानते हो?

यह बात कहने में बहुत आसान मालूम होती है लेकिन ऐसी है नहीं। मानव शरीर के बारे में काफी खोजबीन हुई है। हर पहलू से उसकी जाँच की गई है। उसके हजारों टुकड़े करके देखे गए हैं। एक्स-रे की खोज ने मानव शरीर को समझने में सहायता की है। इस तरह जो कुछ जानकारी बढ़ी है, वह बेहद दिलचस्प है। इतनी मजेदार बाते हैं कि सुन-सुन कर दांतों तले उंगली दबा लो। तो सुनो-

रेल या कार में एक इंजन होता है।

हमारे शरीर में तीन सौ खरब इंजन हैं।

इंजन के काम करने के लिए हवा की जरूरत होती है। इसी तरह हमारे शरीर के इंजनों को भी हवा चाहिए।

इंजन में ईंधन जलता है। हमारे इंजनों में भी ईंधन काम में आता है। इसी तरह की और बहुत-सी बातें आप आगे पढ़ेंगे।

**छोटे-छोटे कितने इंजन**

खेलना आपको पसंद है ना। चाहते हो कि हर समय खेलते ही रहें। लेकिन खेलने में शक्ति खर्च होती है।

कोई भी काम हो, उसे करने में शक्ति खर्च होती है। आप रस्सी से कूदती हो। या आप छोटी साइकिल चलाते हो। गेंद से खेलते हो। या गाते हो, अथवा शोर मचाते हो।

इन सभी कामों में शक्ति खर्च होती है। इतनी शक्ति कहाँ से आती है?

जरा कार या रेलगाड़ी के बारे में सोचो। इनमें इंजन लगा होता है। इंजन की शक्ति से ये चलती हैं। लेकिन आपके शरीर में केवल एक ही इंजन से सब भागों को शक्ति नहीं मिलती।

किसी भी मकान में हजारों-लाखों छोटी-छोटी ईंटें लगी होती हैं। इसी तरह आपका शरीर छोटे-छोटे भागों से मिलकर बना है। शरीर के इन लघु भागों को कोशिका कहते हैं। कोशिका इतनी छोटी होती है कि आंखें सूक्ष्मदर्शी के बिना उसे नहीं देख सकती। आपके शरीर की हर कोशिका जीवित होती है। हर कोशिका अपना